बेसी कोलमैन

पहली अफ्रीकी-अमीरकी महिला पायलट

सैली वाकर

चित्र: जेनिस ली पोर्टर

बेसी कोलमैन

पहली अफ्रीकी-अमीरकी महिला पायलट

सैली वाकर

चित्र: जेनिस ली पोर्टर

उड़ने के लिए तैयार

वैक्सहाची, टेक्सास, 1902

बेसी कोलमैन की उंगलियां लहूलुहान हो गईं थीं. उसकी पीठ दुख रही थी.

10 साल की बच्ची के लिए कपास चुनना एक कठिन काम था.

बेसी ने अपने सामने बीनने वाले की बोरी को देखा.

जब उसने बोरी को खींचा, तब बोरी जमीन पर घिसटने लगी.

बोरी, बेसी को आराम करने की एक अच्छी जगह लगी.

घिसटती बोरी पर चोरी से सवारी करने का साहस सिर्फ बस्सी कोलमैन ही कर सकती थी.

धड़ाम! फिर वो बोरी पर गिर गई.

बेसी को कपास बीनने से नफरत थी, लेकिन उसके पास ज्यादा विकल्प नहीं थे. कोलमैन परिवार बहुत गरीब था.

माँ को उन सब पैसे की ज़रुरत थी जो बेसी कमाती थी.

दिन का सबसे अच्छा समय तब होता जब काम ख़त्म होता था.

फिर बेसी गणित की पढ़ाई करती थी. उसे गणित से प्यार था.

बेसी ने हिसाब लगाया कि उसके परिवार ने कितना कपास बीना था.

उन्होंने कितने पाउंड कपास चुना था, उसके हिसाब से उन्हें पैसे मिलते थे.

अगर पैसे देने वाला गोरा व्यक्ति उन्हें धोखा देने की कोशिश करता, तो बेसी उसे सही करने में बिलकुल नहीं डरती थी. वो बहुत साहसी थी.

कपास का मौसम समाप्त होने के बाद बेसी स्कूल वापस जाकर खुश थी.

वो अफ्रीकी-अमेरिकी बच्चों के लिए एक-कमरे वाले स्कूल में पढ़ने जाती थी.

1902 में, गोरे बच्चे और काले बच्चे, एक ही स्कूल में नहीं जा सकते थे.

काले बच्चों के अधिकांश स्कूलों बहुत गरीब थे.

बेसी के स्कूल में बहुत कम किताबें थीं.

कभी-कभी शिक्षक के पास कागज और पेंसिलें तक खत्म हो जाती थीं.

फिर भी, बेसी कड़ी मेहनत करती थी.

बेसी अपने जीवन में कपास बीनने की बजाए कुछ और करना चाहती थी.

वो जितना अधिक पढ़ेगी, उसके जीवन में उतनी ही अधिक संभावनाएं होंगी.
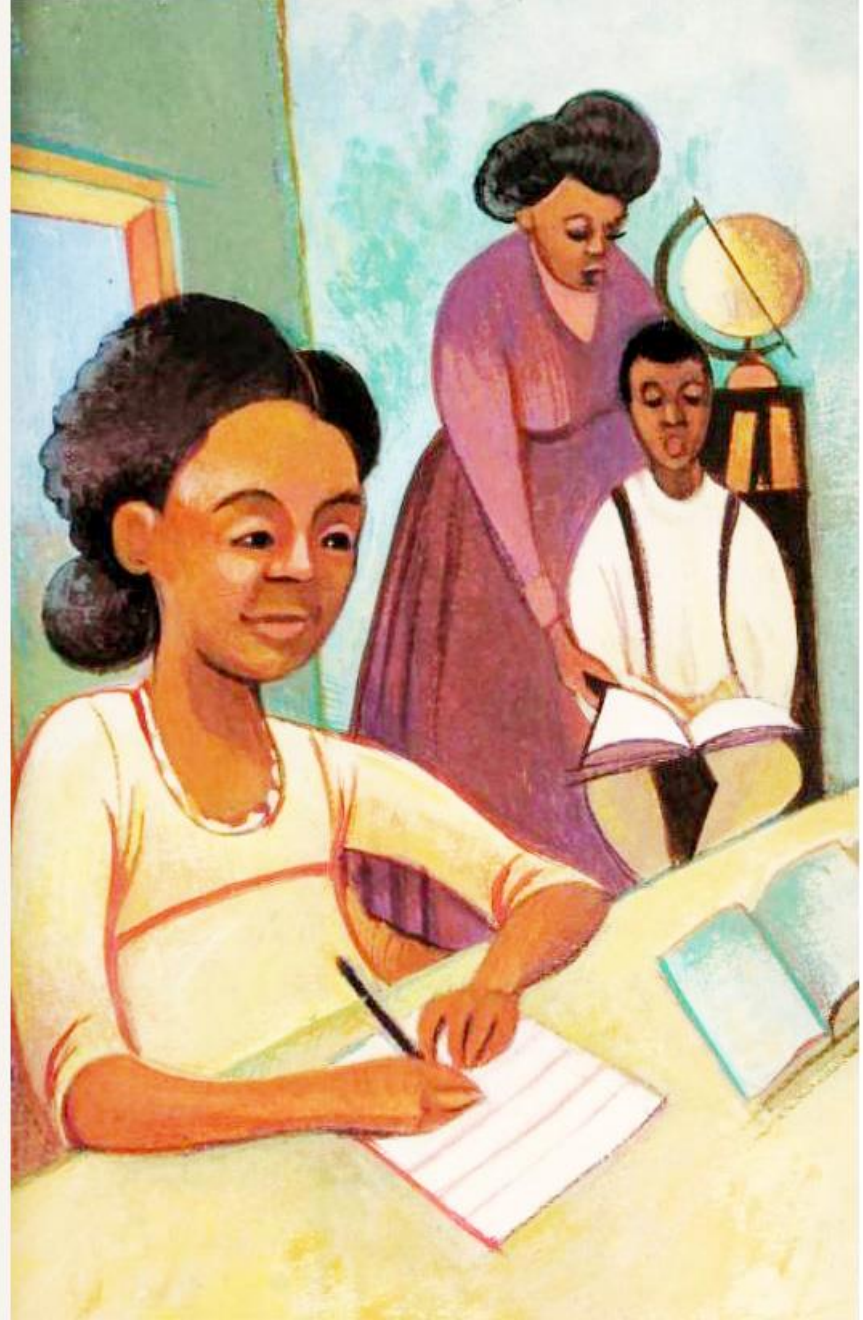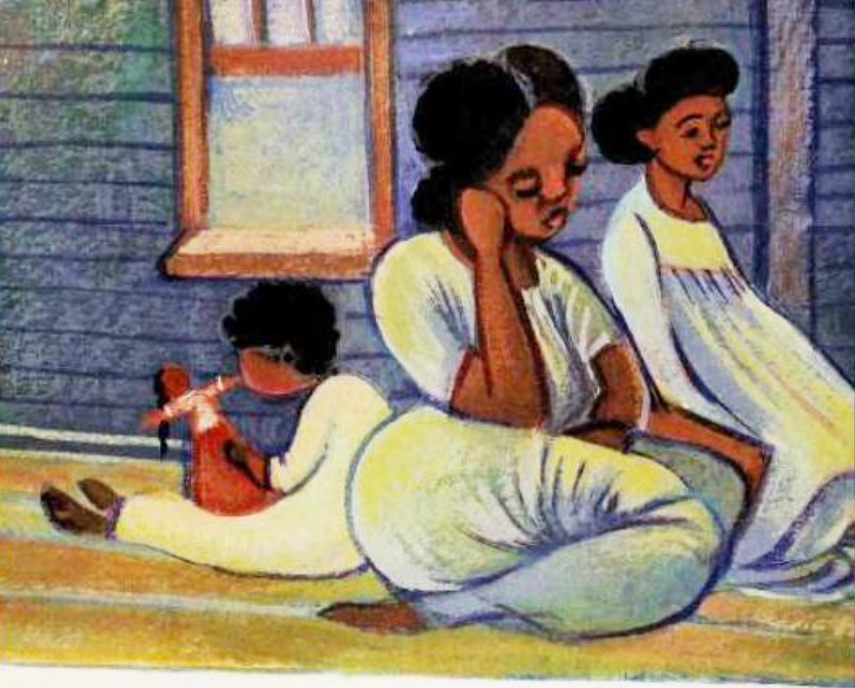
बेसी हर समय काम नहीं करती थी.

जब पुस्तकालय की वैगन आती, तो माँ बेसी के पढ़ने के लिए किताबें किराए पर लेती थीं.

रात में, बेसी उन्हें ज़ोर-ज़ोर से पढ़ती थी.

उसे हेरिएट टबमैन की कहानी बहुत पसंद आई.

टबमैन एक साहसी काली महिला थी!
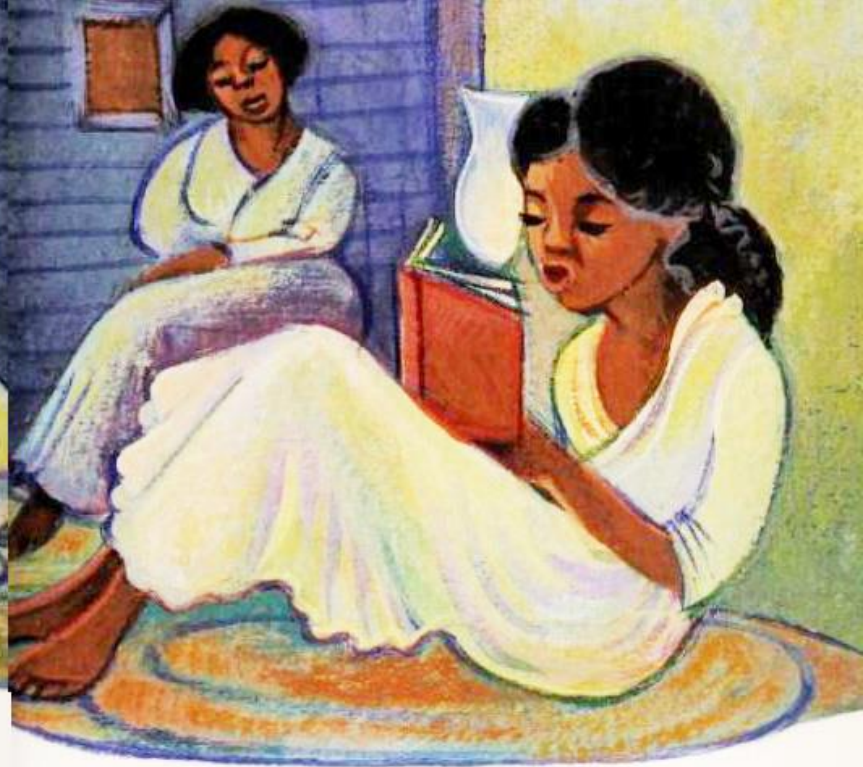
उसने सैकड़ों गुलामों को आजादी दिलाई थी.

हेरिएट टबमैन ने निश्चित रूप से अपने जीवन में महत्वपूर्ण काम किए थे.

पढ़ते-पढ़ते बेसी ने भी अपना मन बना लिया.

किसी दिन वो भी कुछ महत्वपूर्ण करेगी.

1910 में बेसी 18 साल की थी.

उसने ओक्लाहोमा के कॉलेज में पढ़ाई शुरू की, लेकिन उसके पैसे खत्म हो गए.

फिर वो टेक्सास चली गई जहाँ उसने पैसे कमाने के लिए कपड़े धोए.

कपड़े धोते और इस्त्री करते समय बेसी अपने भविष्य के बारे में सोचती रहती थी.

अगर वो अपने जीवन में कुछ करना चाहती थी, तो उसे वैक्सहाची छोड़ना होगा.

फिर उसने शिकागो में अपने भाइयों के साथ रहने का फैसला किया.

निश्चित रूप से इतना बड़ा शहर उसे एक नए जीवन का कोई अवसर ज़रूर प्रदान करेगा.

उड़ान का सपना

शिकागो, 1919

बेसी बहुत गुस्सा थी.

उसका भाई जॉन उसे उस नाई की दुकान पर चिढ़ा रहा था जहां बेसी काम करती थी.

जॉन, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस में लड़ा था.

फ्रांस की महिलाएं, शिकागो की काली महिलाओं से बेहतर थीं, उसने मजाक में कहा.

कुछ फ्रांसीसी महिलायें हवाई जहाज भी उड़ाती थीं.

एक काली महिला के हवाई जहाज उड़ाने की कल्पना भला कौन कर सकता था?

बेसी को पता था कि अगर वो अपना पक्का मन बना ले, तो फिर वो कुछ भी कर सकती थी.

उसे जमीन से ऊंचाई पर उड़ना साहसी और महत्वपूर्ण लग रहा था.

वो काम बेसी कोलमैन के लिए बिल्कुल सही था.

बेसी ने तभी और वहीं फैसला लिया कि वो जॉन को गलत साबित करेगी.

बेसी की इच्छा थी कि वो किसी अश्वेत पायलट से उड़ना सिखाने को कहे. लेकिन शिकागो के आसपास कोई भी अश्वेत पायलट नहीं रहता था.

बेसी एक हवाई-अड्डे से दूसरे हवाई-अड्डे पर गई, और उसने गोरे पायलटों से उसे सिखाने को कहा.

पर हरेक ने उससे मना कर दिया.

कुछ ने इसलिए मना किया क्योंकि वो काली थी.

दूसरों ने इसलिए मना कर दिया क्योंकि वो एक महिला थी.

1919 में हवाई जहाज उड़ाना एक नया सपना था.

1903 से ही लोगों ने उड़ना शुरू किया था.

यात्रा के लिए हवाई जहाजों का अधिक उपयोग नहीं किया जाता था.

कई जगहों पर हवाई जहाज इतने दुर्लभ थे कि लोग उन्हें देखने के लिए अपने घरों से बाहर दौड़ पड़ते थे.

उस समय शायद हवाई जहाज की कोई भी पायलट, महिला नहीं थी.

और कोई भी महिला पायलट, काली नहीं थी.

पर बेसी ने हार नहीं मानी.

उसने रॉबर्ट एबॉट से मदद मांगी.

रॉबर्ट, नाई की दुकान पर उसके ग्राहकों में से एक था.

रॉबर्ट स्मार्ट और अमीर था.

वो अपना खुद का अखबार "शिकागो डिफेंडर" चलाता था.

फ्रांस जाओ, रॉबर्ट ने बेसी से कहा.

फ्रांस में गोरे लोग, काले लोगों के साथ
बराबरी का व्यवहार करते हैं.

उसे वहां कोई सिखाने वाला टीचर ज़रूर मिलेगा.

फ्रांस का टिकट महंगा होगा.

और उड़ना सीखने की फीस भी बहुत अधिक होगी.

उसके बाद बेसी और व्यस्त हो गई.

उसने एक बेहतर वेतन वाली नौकरी की
जिसमें वो मिर्च बेंचती थी.

उसने फ्रेंच पढ़ना सीखी.

उसने उड़ने का सपना देखा.

फिर नवंबर 1920 में, बेसी एक जहाज पर चढ़ी
और फ्रांस के लिए रवाना हुई.

उड़ान भरना!
ले क्रोटॉय, फ्रांस, 1920

बेसी ने अपने हाथ से हल्के से हवाई जहाज की किनार को छुआ.

उसे अभी भी यकीन नहीं हो रहा था.

वो 28 वर्ष की थी, और अंत में उसके उड़ान पाठ का पहला दिन आ गया था.

बेसी ने प्रोपेलर और टायरों की जाँच की.

उसने कपड़े से ढके पंखों के फटे होने और दरारों की जांच की.

अच्छे पायलट हमेशा उड़ान भरने से पहले अपने विमानों की जांच करते थे.

बेसी पिछले कॉकपिट में चढ़ गई.

उसका इंस्ट्रक्टर सामने बैठा था.

जहाज़ का मोटर घूमने लगा.

प्रोपेलर, तेज़ी से फ़र-फ़र करने लगा.
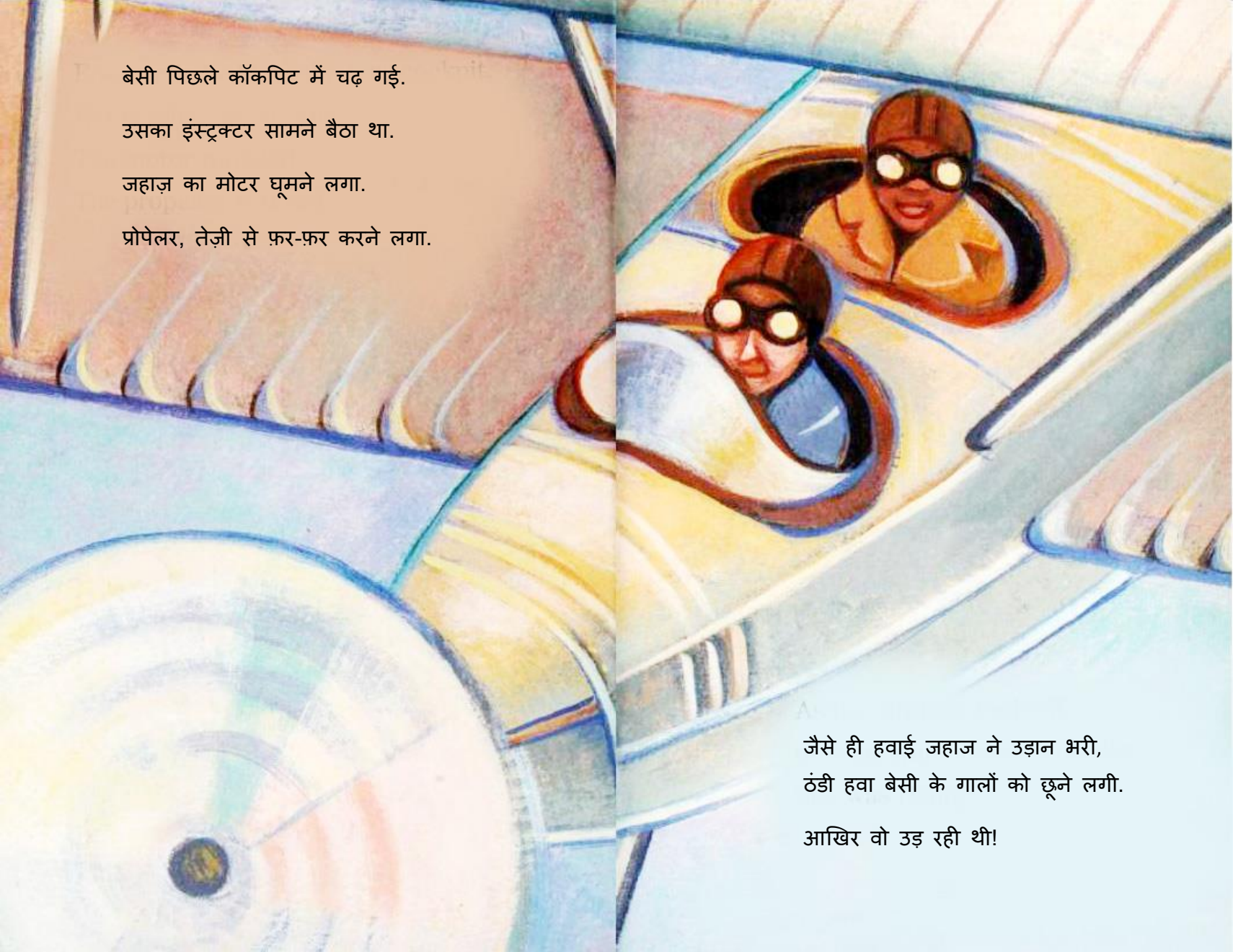
जैसे ही हवाई जहाज ने उड़ान भरी,
ठंडी हवा बेसी के गालों को छूने लगी.

आखिर वो उड़ रही थी!

उस पहले पाठ के बाद
बेसी ने कड़ी मेहनत की और
वो लगातार सीखती रही.

फिर एक दिन, उसने अपने सहपाठी पायलट
को एक दुर्घटना में मरते देखा.

बेसी डर गई.

उसका सपना उसे खतरे में डाल रहा था.

लेकिन उसने हार नहीं मानी.

उसने अपने उड़ान कौशल पर और
अधिक मेहनत की.

आकाश की प्रत्येक यात्रा के साथ,
बेसी और अधिक साहसी होती गई.

जल्द ही वह अपने आप अकेले उड़ रही थी.

अंत में सात महीने की मेहनत रंग लाई.

जून 1921 में, बेसी को पायलट का लाइसेंस मिला.

अब वो दुनिया में कहीं भी उड़ सकती थी.

वो पायलट का लाइसेंस पाने वाली पहली
अफ्रीकी-अमेरिकी महिला थी.

उसने अपने भाई जॉन को आखिर गलत साबित किया.

अंत में बेसी ने कुछ हासिल किया था और कुछ नायब करके दिखाया था.

अब उसके घर जाने का समय था.

और दुनिया को यह दिखाने का समय था कि बेसी कोलमैन क्या कर सकती थी.

मुझे उड़ते हुए देखो!

लॉन्ग आइलैंड, न्यूयॉर्क, सितंबर 1922

बेसी ने अपने जूतों पर पॉलिश की.

तभी एक बैंड बजने लगा.

बैंड का जैज़ संगीत, बेसी के मूड से मेल खा रहा था.

वो पहली बार किसी अमेरिकी भीड़ के सामने उड़ने वाली थी.

उसे आसमान में उड़ते हुए देखने के लिए एक हजार से ज्यादा लोगों ने टिकट खरीदे थे.

बेसी कॉकपिट में चढ़ गई और उसने अपनी आंखों पर चश्मा खींचा.

फिर उसका सह-पायलट पीछे चढ़ा.

मैकेनिक ने इंजन चालू किया.

जैसे ही विमान पूरे मैदान में दौड़ा और फिर जमीन से उठा भीड़ ने उसे घूर कर देखा.

1920 के दशक में, हवाई जहाज अक्सर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे.

हर कोई जानता था कि अनुभवी पायलट भी कभी-कभी दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे.

क्या वो काली महिला पायलट सुरक्षित रहेगी?

बेसी भीड़ के ऊपर उड़ने लगी.

वो हवा में उड़ी और फिर आसानी से नीचे उतरी.

उसकी एक आदर्श उड़ान थी!

जल्द ही बेसी उड़ान भरने के अलावा और भी बहुत कुछ कर रही थी.

उसने अद्‌भुत स्टंट करके अपने प्रशंसकों को रोमांचित किया.

शिकागो में, वो इतनी नीची उड़ी कि भीड़ को उससे बचना पड़ा!

फिर लोगों ने विमान को ऊपर आसमान में चढ़ते हुए देखा.

अचानक, जहाज़ तेजी से एक तरफ मुड़ गया.

दर्शकों ने डर के मारे एक गहरी सांस ली.

क्या बेसी ने नियंत्रण खो दिया था?

नहीं! एक सेकंड के लिए भी नहीं!

बेसी ने फिर से विमान को घुमाया और 8 की आकृति (फिगर आफ ऐट) का एक लूप पूरा किया.

बेसी के गोताखोरी और स्टंट्स से कुछ लोग डर गए.

उन्हें लगा कि उन साहसी स्टंट्स से बेसी अपनी जान जोखिम में डाल रही थी.

लेकिन बेसी खुद को एक उड़ती हुई अभिनेत्री के रूप में देख रही थी.

उसका काम लोगों का अच्छा मनोरंजन करना था.

उसके लिए साहसी स्टंट्स करने का एक और कारण था.

उसे पैसा कमाने की जरूरत थी.

बेसी एक फ्लाइंग स्कूल खोलना चाहती थी.

उसके लिए उसे विमानों को खरीदने और उन्हें रखने के लिए स्थान की आवश्यकता होगी.

वे सभी चीजें महंगी होंगी.

भीड़ के लिए उड़ान भरकर शायद वो उन चीज़ों को खरीद पाएगी.

बेसी को उम्मीद थी कि उसका स्कूल अन्य काले लोगों को उड़ना सीखने में मदद करेगा.

बेसी ने अपने स्कूल को खोलने के लिए पैसे कमाने के लिए कड़ी मेहनत की.

अधिक प्रशंसकों को जीतने के लिए, बेसी ने चर्चों और थिएटरों में भाषण भी दिए.

उसने अखबार के पत्रकारों से भी बात की.

कभी-कभी उसने एक पायलट के रूप में अपने करियर की सच्चाई को बढ़ा-चढ़ा कर भी बताया.

एक रिपोर्टर को उसने बताया कि उसने यूरोप के छह देशों में उड़ानें भरी थीं!

लेकिन बेसी के उड़ने के बारे में कुछ भी नकली नहीं था.

वो एक कुशल पायलट थी.
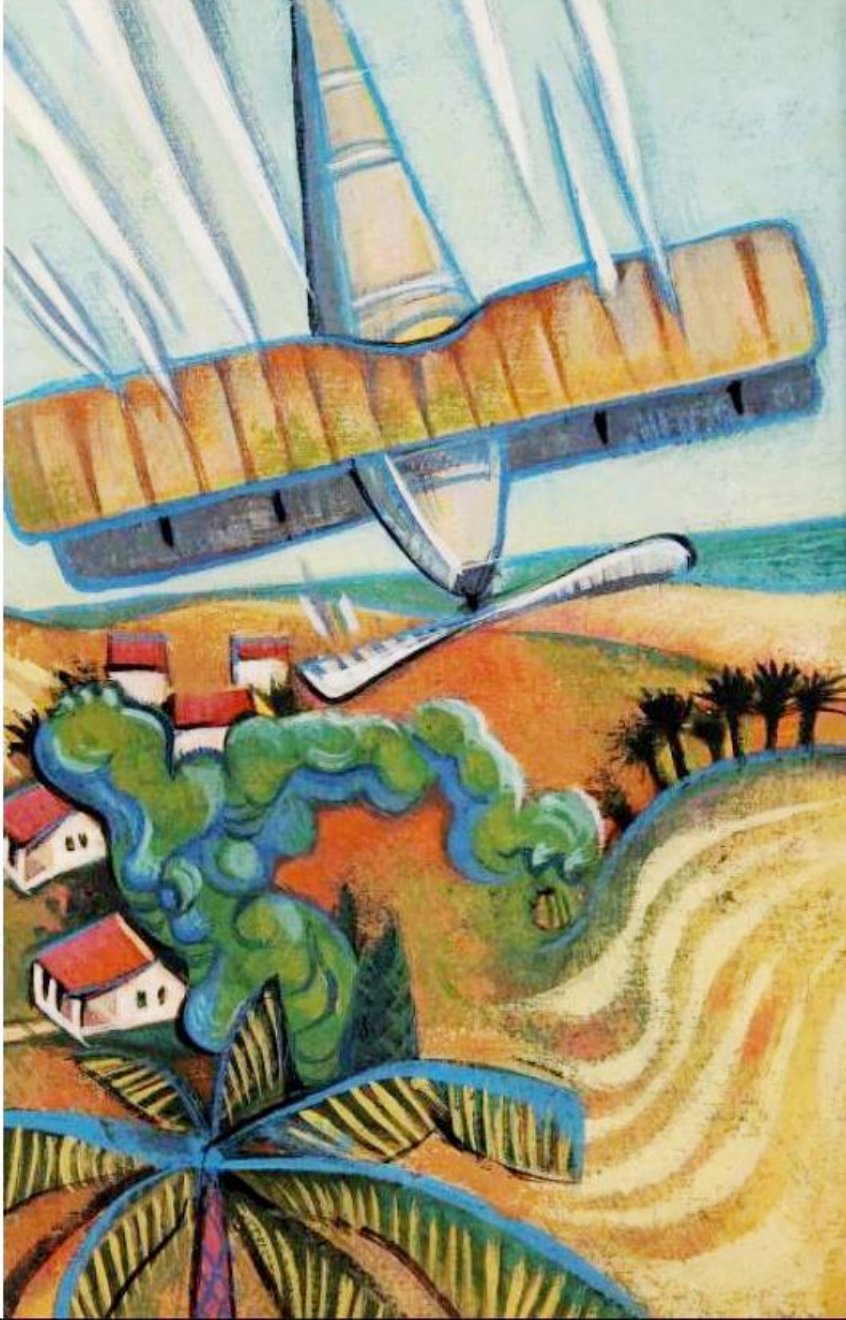
1923 में, बेसी कैलिफोर्निया गई.

उसका दिमाग उड़ान स्कूल के लिए योजनाओं से भरा हुआ था.

उसने अपना पहला हवाई जहाज खरीदा.

वो एक छोटा, सेकंड हैंड विमान था जिसका नाम "कर्टिस जेनी" था.

फिर उसने एक एयर-शो सेट किया.

जैसा कि वो हमेशा करती थी, बेसी ने उड़ान भरने से पहले अपने विमान की जाँच की.

उसे सब कुछ ठीक लगा.

उसने विमान को 300 फीट हवा ऊंचा उड़ाया.

पर अचानक विमान का मोटर ठप्प हो गया.

विमान ने जमीन की ओर गोता लगाया.

वो गोता कोई स्टंट नहीं था.

विमान, बेसी के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया!

बचाव दल ने बेसी को अस्पताल पहुंचाया.

उसका एक पैर और कई पसलियां टूट गई थीं.

उसके चेहरे और हाथ कई जगह कट गए थे.

लेकिन फिर भी वो जीवित थी.

बेसी ने लगभग तीन महीने बिस्तर पर बिताए.

उसे काफी चोट आई थी और वो दर्द से कराह रही थी.

उसका पैर प्लास्टर के अंदर खुजली कर रहा था.

सबसे बुरी बात यह है कि उसका विमान पूरी तरह से नष्ट हो गया था.

लेकिन बेसी ने हार नहीं मानी.

उसने अपने प्रशंसकों को अस्पताल से एक संदेश भेजा.

"जैसे ही मैं चल पाऊंगी, मैं दुबारा फिर से उड़ूँगी!"

बेसी ने अपना वादा पूरा किया.

उस सितंबर में, वो कोलंबस, ओहियो गई.

उसने एक विमान उधार लिया और दूसरा शो किया.

यदि बेसी दुबारा उड़ने को लेकर घबराई हुई थी, तो उसने वो नहीं दिखाया.

उसे आसमान में चढ़ते हुए देख दस हजार प्रशंसक रोमांचित हुए.

इस बार कुछ भी गलत नहीं हुआ.

बेसी ने भविष्य की ओर देखा.

उसने कई अन्य शो में उड़ानें भरी.

उसने पैराशूटिंग और कुछ अन्य फैंसी स्टंट्स भी आजमाएं.

वो किसी-न-किसी तरह अपने फ्लाइट स्कूल खोलने के लिए काम करती रहेगी.

और वो सभी रंगो की महिलाओं और पुरुषों के लिए उड़ान के सपने को साकार करेगी.

अंत के शब्द

बेसी कोलमैन ने अपने गृहनगर टेक्सास सहित कई जगहों पर एयर-शो के प्रदर्शन किए. एक पायलट के रूप में मौत को मात देने वाले स्टंट्स के साथ-साथ, उन्होंने पैराशूटिंग करना भी सीखी. वो एक चलते हुए विमान के पंखों पर खुद को संतुलित करते हुए "विंग-वॉक" भी करती थीं जबकि दूसरा पायलट विमान की कमान संभालता था. वो जहां भी गईं, उन्होंने हजारों प्रशंसकों को चकित और प्रेरित किया.

अफसोस की बात यह हुई कि बेसी अपने सभी सपनों को सच होते देखने के लिए जीवित नहीं रहीं. 1926 में, एक भयानक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई. बेसी फ्लोरिडा में एक "जेनी" विमान से पैराशूट द्वारा कूदने की तैयारी कर रही थीं. विमान के नियंत्रण गियर में एक रिंच गिर गया और वो जाम हो गया. पायलट ने अपना नियंत्रण खो दिया. पीछे के कॉकपिट में अपनी सीट से, बेसी उसकी कुछ मदद नहीं कर सकती थीं. विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. बेसी और पायलट दोनों की मृत्यु हो गई.

हालाँकि वो अपना फ्लाइंग स्कूल खोलने से पहले ही मर गईं, टेक्सास की उस साहसी कपास बीनने वाली युवती ने वास्तव में अपने जीवन में कुछ बहुत महत्वपूर्ण किया. अनुचित व्यवहार के बावजूद, वो पायलट लाइसेंस प्राप्त करने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला बनीं. उनके कौशल ने कई प्रशंसकों को खुद पायलट बनने के लिए प्रेरित किया. और उनके दृढ़ संकल्प और साहस ने सभी नस्लों के लोगों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उच्च लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित किया.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1892—बेसी कोलमैन का जन्म 26 जनवरी को अटलांटा, टेक्सास में एक-कमरे के केबिन में हुआ

(उनके जन्म का सही वर्ष निश्चित रूप से ज्ञात नहीं है.)

1894—परिवार वैक्सहाची, टेक्सास चला गया

1910—लैंगस्टन, ओक्लाहोमा में कलर्ड एग्रीकल्चरल एंड नार्मल यूनिवर्सिटी में अध्ययन किया; पैसे ख़त्म होने के कारण वैक्सहाची लौटीं

1915—शिकागो गईं

1917—क्लाउड ग्लेन से विवाह किया

1920— फ्लाइट स्कूल में पढ़ने के लिए फ्रांस गईं

1921—पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया, वो ऐसा करने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला बनीं

1922—फ़्रांस में उड़ान प्रशिक्षण; लॉन्ग आइलैंड, न्यूयॉर्क में पहला एयर-शो किया

1923—कैलिफोर्निया में दुर्घटनाग्रस्त; लगभग तीन महीने अस्पताल में बिताए

1926—फ्लोरिडा के जैक्सनविल में विमान दुर्घटना में मृत्यु

1995—अमरीकी डाक सेवा ने उड़ान के इतिहास में बेसी कोलमैन की भूमिका का सम्मान करते हुए एक डाक टिकट जारी किया.